26 जून 2023

कमोडिटी मार्केट रिपोर्ट

प्रमुख खबरें

- इंटरनेशनल कॉपर स्टडी ग्रुप के नवीनतम मासिक बुलेटिन के अनुसार अप्रैल में वैश्विक स्तर पर रिफाइंड तांबे के बाजार में 42,000 टन का सरप्लस था, जबकि मार्च में 3,000 टन का सरप्लस था।
- इंटरनेशनल एल्युमीनियम इंस्टीट्यूट के आंकड़ों से पता चलता है कि मई में वैश्विक स्तर पर प्राथमिक एल्युमीनियम का उत्पादन साल दर साल 0.6% बढ़कर 5.851 मिलियन टन हो गया।
- सोयामील के निर्यात में तेज वृद्धि के कारण मई में भारत से ऑयलमील का निर्यात एक साल पहले की तुलना में 72% बढ़कर 436,596 मिलियन टन हो गया: सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया।
- भारत में रूसी तेल का बढ़ता आयात मई में लगभग 1.95 मिलियन बैरल प्रति दिन के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया: रॉयटर्स।
- भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, जून महीने में महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल जैसे प्रमुख कृषि उत्पादक राज्यों में क्रमश: 88%, 94%, 77%, 66% और 31% की वर्षा की कमी दर्ज की गई है। .
- वर्ल्ड स्टील एसोसिएशन के आंकड़ों के अनुसार, मई 2023 में भारत का कच्चे इस्पात का उत्पादन 4.1% बढ़कर 11.2 मिलियन टन तक पहुंच गया। इस बीच, इसी अवधि में वैश्विक स्तर पर इस्पात उत्पादन 5.1% गिरकर 161.6 मिलियन टन हो गया।
- पेट्रोलियम योजना और विश्लेषण सेल के अनुसार, भारत ने मई 2023 में कुल 2.5 मिलियन मीट्रिक टन कच्चे तेल का उत्पादन किया, जबकि एक साल पहले की अवधि में यह 2.6 मिलियन मीट्रिक टन हुआ था।

NCDEX में सबसे अधिक बढ़ने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	16.06.23	22.06.23	बदलाव (%)
हल्दी	48820.00	54510.00	11.66%
जीरा	8542.00	9424.00	10.33%
धनिया	1842.00	1956.00	6.19%
कैस्टरसीड	9899.00	10452.00	5.59%
स्औल	5146.00	5393.00	4.80%

NCDEX में सबसे अधिक गिरने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	16.06.23	22.06.23	बदलाव (%)
ग्वारगम	48180.00	46290.00	-3.92%
जौ	2152.00	2087.00	-3.02%
ग्वारसीड	1189.00	1168.00	-1.77%
धान	1503.50	1492.00	-0.76%
कपास	2559.00	2545.00	-0.55%

MCX में सबसे अधिक गिरने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	16.06.23	22.06.23	बदलाव (%)
सोना एम	941.00	900.90	-4.26%
सोना पेटल	1927.00	1869.30	-2.99%
सोना	206.75	200.60	-2.97%
सोना गिनी	5877.00	5740.00	-2.33%
कच्चा तेल	1520.00	1490.00	-1.97%

साप्ताहिक समीक्षा

डॉलर सूचकांक में लगातार चौथे सप्ताह गिरावट जारी रहने के कारण सीआरबी इंडेक्स 300 के स्तर के करीब कारोबार करने में कामयाब रहा। लेकिन साप्ताहिक आधार पर यह गिरावट के साथ बंद हुआ। डॉलर इंडेक्स में गिरावट के बावजूद सर्राफा काउंटर में नरमी रही और सोने के मुकाबले चांदी की कीमतों में भारी गिरावट देखी गई। फेड अध्यक्ष जेरोम पॉवेल ने अपनी भाषण के दूसरे दिन में कहा कि केंद्रीय बैंक ब्याज दरों को यहां से सावधानीपूर्वक आगे बढ़ाएगा क्योंकि नीति निर्माता मौद्रिक नीति को सख्त करने के अपने ऐतिहासिक दौर को समाप्त करने की ओर बढ़ रहे हैं। फरवरी के बाद से सर्राफा में सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट देखी गई क्योंकि इस साल अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में अतिरिक्त बढ़ोतरी की संभावनाओं ने सर्राफा की मांग को प्रभावित किया। ऊर्जा क्षेत्र में, नेचुरल गैस और कच्चे तेल दोनों को प्रतिरोध का सामना करने में मुश्किलों का सामना करना पड़ा। ब्रिटेन में ब्याज दरों में अपेक्षा से अधिक बढ़ोतरी के बाद ईंधन की मांग के परिदृश्य को लेकर चिंता और अमेरिकी दरों में संभावित बढ़ोतरी की चेतावनी के कारण इस सप्ताह कच्चे तेल की कीमतों में 3% से अधिक की गिरावट हुई है। लेकिन ऊर्जा सूचना प्रशासन ने गुरुवार को कहा कि अधिक निर्यात मांग और कम आयात के कारण अमेरिकी कच्चे तेल के भंडार में आश्चर्यजनक गिरावट दर्ज की गई, जबकि गैसोलीन और डिस्टिलेट भंडार में वृद्धि हुई। शीर्ष उपभोक्ता चीन से अधिक स्टीमुलस की खबरों की कमी के बीच तांबे और जिंक की कीमतों में उच्च स्तर से गिरावट दर्ज की गई और सप्ताह के अंत में गिरावट के साथ बंद हुई। इंटरनेशनल कॉपर स्टडी ग्रुप ने कहा कि वैश्विक स्तर पर रिफाइंड तांबे के बाजार में अप्रैल में 42,000 टन का सरप्लस था, जबकि मार्च में 3,000 टन का सरप्लस था। लेड और एल्युमीनियम में कमजोरी के साथ कारोबार हो रहा है। मंदी के रूझानों के कारण स्टील की कीमतों में गिरावट जारी रही और चीन द्वारा दरों में कटौती की अनदेखी कर दी। इस बीच, अमेरिकी बेरोजगारी के दावे पिछले सप्ताह 20 महीने के उच्चतम स्तर पर स्थिर रहे, जो संभावित रूप से फेड की आक्रामक दर बढ़ोतरी के कारण श्रम बाजार में नरमी का संकेत दे रहा है। मई में जापान की मुख्य उपभोक्ता कीमतें एक साल पहले की तुलना में 3.2% बढ़ गईं, जबकि मैनुफैक्चरिंग गतिविधि जून में कम हो गई और सेवा क्षेत्र की वृद्धि सात महीनों में पहली बार धीमी हो गई।

कृषि कमोडिटीज में, बुआई गतिविधियां शुरू होने और अरंडी तेल के निराशाजनक निर्यात के कारण अरंडी की कीमतें ऊंचे स्तर से नीचे गिर गईं। कॉटनऑयलसीडकेक की कीमतों में भी गिरावट देखी गई। इसबगोल की कीमतों में तेजी बरकरार रही। ग्वारसीड काउंटर में निचले स्तर से रिकवरी हुई। मसालों में, जीरा की कीमतें रिकॉर्ड स्तरों को पार करती रही, जिसे स्थानीय बाजार में आक्रामक खरीदारी का समर्थन मिला। भारत ने अप्रैल 2023 में पिछले वर्ष के 9.94 हजार टन के मुकाबले लगभग 16.28 हजार टन जीरा निर्यात किया। महाराष्ट्र और तेलंगाना में मानसून की धीमी प्रगति के कारण बुआई गतिविधियों के प्रभावित होने से हल्दी की कीमतों में ठोस बढ़त दर्ज की गई। निर्यात पूछताछ बढ़ने के साथ-साथ मसाला बाजार में सक्रिय खरीदारी से धनिया की कीमतों में मामूली तेजी दर्ज की गई। बेहतर फसल प्रगति की रिपोर्ट के कारण कई वर्षों में मेंथा ऑयल की कीमतें 900 से नीचे फिसल गईं।

कमोडिटी

हाजिर कीमतें

कमोडिटी	स्थान	16.06.2023	22.06.2023	बदलाव(%)
जौ	जयपुर	1,902.25	1,890.00	-0.64%
चना	दिल्ली	5,099.90	5,077.95	-0.43%
धनिया	कोटा	6,199.95	6,509.90	5.00%
क्रूड पॉम ऑयल	कांडला	831.10	815.15	-1.92%
गुड़	मुजफ्फरपुर	1,448.50	1,441.20	-0.50%
ग्वारसीड	जोधपुर	5,237.85	5,410.60	3.30%
ग्वारगम	जोधपुर	10,215.25	10,598.25	3.75%
जीरा	ऊंझा	49,142.80	55,205.10	12.34%
सरसों	जयपुर	5,264.70	5,268.95	0.08%
रिफाइंड सोया तेल	मुंबई	945.00	927.50	-1.85%
सोयाबीन	इंदौर	5,313.50	5,225.50	-1.66%
हल्दी	निजामाबाद	7,796.45	8,335.65	6.92%
गेहूं	दिल्ली	2,431.00	2,467.90	1.52%
कॉटन	कड़ी	27,727.80	27,369.25	-1.29%
कॉटनऑयलसीडकेक	अकोला	2,675.10	2,679.25	0.16%

LME/ COMEX/ NYMEX में धातुओं की कीमत (डॉलर में)

कमोडिटी	एक्सचेंज	कॉन्ट्रैक्ट	16.06.2023	22.06.2023	बदलाव(%)
एल्युमीनियम	LME	नकद	2271.00	2201.00	-3.08%
तांबा	LME	नकद	8566.50	8574.00	0.09%
लेड	LME	नकद	2141.00	2163.50	1.05%
निकल	LME	नकद	23034.00	21182.00	-8.04%
जिंक	LME	नकद	2478.00	2456.00	-0.89%
सोना	COMEX	जुलाई	1962.20	1915.00	-2.41%
चांदी	COMEX	जुलाई	24.13	22.47	-6.88%
लाइट क्रूड	NYMEX	जुलाई	71.78	69.51	-3.16%
नेचुरल गैस	NYMEX	अगस्त	2.72	2.70	-0.62%

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कमोडिटी की कीमतें

कमोडिटी	एक्सचेंज	कॉन्ट्रैक्ट	16.06.2023	22.06.2023	बदलाव (%)
सोयाबीन	CBOT	जुलाई	14.66	15.00	2.32%
सोया तेल	CBOT	जुलाई	59.69	55.77	-6.57%
कॉटन	ICE	जुलाई	81.46	79.29	-2.66%
सीपीओ	BMD	अगस्त	3,743.00	3,562.00	-4.84%

गोदाम में सप्ताहिक स्टॉक स्थिति (NCDEX)

कमोडिटी	यूनिट	15.06.2023 क्वांटिटी	22.06.2023 क्वांटिटी	अंतर
बाजरा	मी.टन	0	0	0
मक्का	मी.टन	0	0	0
कैस्टर सीड	मी.टन	8726	8365	-361
चना	मी.टन	13083	13495	412
धनिया	मी.टन	17914	18118	204
कॉटनऑयलसीडकेक	मी.टन	16703	16424	-279
ग्वारगम	मी.टन	20948	21449	501
ग्वारसीड	मी.टन	198	180	-18
जीरा	मी.टन	8192	7804	-388
मक्का	मी.टन	0	0	0
स्टील लॉन्ग	मी.टन	632	632	0
हल्दी	मी.टन	1164	1193	29

गोदाम में सप्ताहिक स्टॉक स्थिति (MCX)

कमोडिटी	यूनिट	16.06.2023 क्वांटिटी	22.06.2023 क्वांटिटी	अंतर
एल्युमीनियम	मी.टन	167	196	29
तांबा	मी.टन	1705059	1672671	-32388
सोना	किग्रा	368	368	0
सोना मिनी	किग्रा	2840	2840	0
सोना गिनी	किग्रा	221200	221200	0
लेड	किग्रा	0	0	0
चांदी (30 किग्रा बार)	किग्रा	159081	146715	-12366
चांदी एम	किग्रा	40567	41913	1345
जिंक	मी.टन	0	0	0

LME में सप्ताहिक स्टॉक स्थिति(टन में)

कमोडिटी	स्टॉक की स्थिति 16.06.2023	स्टॉक की स्थिति 22.06.2023	अंतर
एल्युमीनियम	559925	546375	-13550.00
तांबा	88425	79300	-9125.00
निकल	36810	39084	2274.00
लेड	38400	39775	1375.00
जिंक	80100	78825	-1275.00

ट्रेंड शीट

एक्सचेंज	कमोडिटी	कांट्रेक्ट	बंद* भाव	ट्रेंड बदलाव की तिथि	ट्रेंड	भाव के ट्रेंड में बदलाव	सपोर्ट	रेजिस्टेंस	क्लोजिंग स्टॉप लास
NCDEX	जीरा	जुलाई	54510.00	14.03.23	तेजी	32000.00	51400.00	-	51300.00
NCDEX	हल्दी	अगस्त	9424.00	06.04.23	तेजी	7035.00	8700.00	-	8650.00
NCDEX	ग्वारसीड	जुलाई	5393.00	29.03.23	मंदी	5650.00	-	5570.00	5600.00
NCDEX	कैस्टरसीड	जुलाई	5727.00	15.06.23	तेजी	5750.00	5530.00	-	5500.00
NCDEX	स्टील लांग	जुलाई	46290.00	30.01.23	मंदी	50000.00	-	47800.00	48000.00
NCDEX	कॉटनऑयलसीडकेक	जुलाई	2545.00	11.04.23	मंदी	2800.00	-	2680.00	2700.00
MCX	मेंथा ऑयल	जुलाई	900.90	14.03.23	मंदी	1015.00	-	945.00	950.00
MCX	बुलडेक्स	जुलाई	15643.00	11.05.23	मंदी	16600.00	-	16070.00	16100.00
MCX	चांदी	जुलाई	68308.00	11.05.23	मंदी	75000.00	-	69900.00	70000.00
MCX	सोना	अगस्त	58196.00	11.05.23	मंदी	61200.00	-	59400.00	59500.00
MCX	**तांबा**	**जुलाई**	**731.05**	**22.06.23**	**मंदी**	**725.00**	**-**	**743.00**	**745.00**
MCX	**लेड**	**जुलाई**	**184.35**	**22.06.23**	**मंदी**	**184.00**	**-**	**189.00**	**190.00**
MCX	**जिंक**	**जुलाई**	**217.20**	**22.06.23**	**मंदी**	**218.00**	**-**	**225.00**	**226.00**
MCX	**एल्युमिनियम**	**जुलाई**	**200.60**	**22.06.23**	**मंदी**	**203.00**	**-**	**208.50**	**210.00**
MCX	कच्चा तेल	जुलाई	5705.00	19.04.23	मंदी	6500.00	-	5980.00	6000.00
MCX	**नेचुरल गैस**	**जुलाई**	**213.50**	**15.06.23**	**तेजी**	**200.00**	**183.00**	**-**	**180.00**

*22/06/2023 का बंद भाव

नोट: 1. कभी-कभी आप पाओगे कि स्टॉप लॉस बहुत अधिक है लेकिन यदि हम स्टॉप लॉस को एक बार बदल दें तो हमें कमोडिटी में मजबूती आती दिखेगी। उस स्थिति में स्टॉप लॉस अधिक होगा क्योंकि हम सप्ताहिक आधार पर ग्राफ को देखते है और लम्बे समय तक के रूझानों को लेते है।

2. इस सप्ताहिक ट्रेंड का मिलान रोजाना के ट्रेंड से नहीं किया जाना चाहिए, जिसे प्रतिदिन सुबह को मार्निंग रिपोर्ट के नाम से ई मेल किया जाता है।

टेक्निकल सुझाव

कच्चा तेल (जुलाई) एमसीएक्स

कैस्टरसीड (जुलाई) एनसीडीईएक्स

जिंक (जुलाई) एमसीएक्स

कच्चा तेल (जुलाई) एमसीएक्स **उच्चस्तर: 6202.00** **निचला स्तर: 5577.00**

एमसीएक्स में कच्चा तेल (जुलाई) कॉन्ट्रैक्ट 22 जून 2023 को 5705.00 रू पर बंद हुआ। वर्तमान समय में 18 दिनों को एक्सपोनेंसियल मूविंग औसत 6024.30 है। दैनिक चार्ट में कमोडिटी की रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स की वैल्यू 36.388 है। दोनों ही इंडिकेटर बिकवाली का संकेत दे रहे हैं।

5980.00 रू के स्टॉपलॉस के साथ 5300.00 रू के टारगेट के लिए 5770.00 रू के नजदीक बिकवाली की जा सकती है।

कैस्टरसीड (जुलाई) एनसीडीईएक्स **उच्च स्तर: 6147.00** **निचला स्तर: 5408.00**

एनसीडीईएक्स में कैस्टरसीड (जुलाई) कॉन्ट्रैक्ट 22 जून 2023 को 5727.00 रू पर बंद हुआ। वर्तमान समय में 18 दिनों को एक्सपोनेंसियल मूविंग औसत 5924.88 है। दैनिक चार्ट में कमोडिटी की रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स की वैल्यू 42.688 है। दोनों ही इंडिकेटर खरीददारी का संकेत दे रहे हैं।

5550.00 रू के स्टॉपलॉस के साथ 5900.00 रू के टारगेट के लिए 5650.00 रू के नजदीक खरीददारी की जा सकती है।

जिंक (जुलाई) एमसीएक्स **उच्च स्तर: 224.95** **निचला स्तर: 206.00**

एमसीएक्स में जिंक (जुलाई) कॉन्ट्रैक्ट 22 जून 2023 को 217.20 रू पर बंद हुआ। वर्तमान समय में 18 दिनों को एक्सपोनेंसियल मूविंग औसत 206.23 है। दैनिक चार्ट में कमोडिटी की रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स की वैल्यू 70.289 है। दोनों ही इंडिकेटर बिकवाली का संकेत दे रहे हैं।

222.00 रू के स्टॉपलॉस के साथ 207.00 रू के टारगेट के लिए 218.00 रू के नजदीक बिकवाली की जा सकती है।

अगले सप्ताह में बाजार का रुख

मसाले

प्रमुख उत्पादक राज्यों में मानसून की धीमी प्रगति के संकेत के बाद पिछले सप्ताह हल्दी की कीमतों में तेजी दर्ज की गई। महाराष्ट्र और तेलंगाना में कम मॉनसून वर्षा के कारण बुआई पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा जिसका असर कीमतों पर पड़ा। आने वाले हफ्तों में महाराष्ट्र और तेलंगाना में अच्छी बारिश के पूर्वानुमान के मद्देनजर कीमतों के साइडवेज रहने की संभावना है। बुआई गतिविधियों में तेजी आने की संभावना है जिससे बाजार के सेंटीमेंट पर असर पड़ेगा। लेकिन आवक की गति धीमी होने के कारण हल्दी की कीमतों में गिरावट सीमित रहने की संभावना है। 65% से अधिक आवक बाजार में पहुंच चुकी है और प्रत्येक गुजरते सप्ताह के साथ आपूर्ति कम होने की संभावना है। वर्ष 2023 में 1 अप्रैल-23 से अब तक पूरे भारत में लगभग 156.6 हजार टन हल्दी की आवक हुई है, जबकि पिछले वर्ष 156.4 हजार टन आवक हुई थी। हाल के महीनों में हल्दी की निर्यात मांग में सुधार हुआ है जिससे कीमतों में अत्यधिक गिरावट पर अंकुश लगने की संभावना है। भारत ने अप्रैल-23 में लगभग 19.6 हजार टन हल्दी का निर्यात किया, जबकि पिछले वर्ष इसी महीने में 13.76 हजार टन निर्यात हुआ था। हल्दी वायदा (अगस्त) की कीमतों के 8700-9800 के दायरे में रहने की संभावना है।

आपूर्ति संबंधी चिंताओं के कारण जीरा (जुलाई) वायदा की कीमतों में तेजी बरकरार रही । प्रमुख उत्पादक राज्यों में जीरा का उत्पादन कमजोर होने से आवक की गति प्रभावित हुई है। न केवल आवक कम हुई है, बल्कि फसल की गुणवत्ता भी संदिग्ध है, जिससे जीरे की कीमतों में तेजी आ रही है। गुणवत्तापूर्ण उपज की सीमित आपूर्ति के कारण जीरा की कीमतें 55000 के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई हैं और धीरे-धीरे 60000 की ओर बढ़ रही हैं। वर्ष 2023 में 1 अप्रैल से अब तक लगभग 71.5 हजार टन की आवक हुई है, जबकि पिछले वर्ष 69.22 हजार टन की आवक हुई थी। अधिक निर्यात मांग और मिल मालिकों के पास कम भंडार उन्हें हर गिरावट पर जीरा खरीदने के लिए प्रेरित कर रही है। भारत ने पिछले वर्ष के 9.94 हजार टन के मुकाबले अप्रैल-23 में लगभग 16.28 हजार टन जीरा का निर्यात किया। जीरा की कीमतें 52000-60000 के दायरे में कारोबार कर सकती है।

मौजूदा स्तरों पर खरीदारी में बढ़ोतरी के कारण धनिया वायदा (जुलाई) की कीमतों में तेजी के रूझान के साथ कारोबार करने की संभावना है। बढ़ते निर्यात की खबरों ने बाजार के सेंटीमेंट को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया। पिछले वर्ष के 3.16 हजार टन की तुलना में अप्रैल-23 में लगभग 10.68 हजार टन धनिया का निर्यात किया गया है। हाजिर बाजार में भारी आपूर्ति के कारण धनिया की कीमतों में बढ़त सीमित दिख रही है। वर्ष 2023 में 1 अप्रैल 23 से अब तक लगभग 236 हजार टन धनिया की आवक हो चुकी है जबकि पिछले वर्ष 94 हजार टन धनिया की आवक हुई थी। धनिया की कीमतें 6100-6800 के दायरे में कारोबार कर सकती है।

अन्य कमोडिटीज

उत्पादन क्षेत्र बढ़ने की रिपोर्ट से कपास की कीमतों में गिरावट की संभावना है। कपास के तहत बढ़ते क्षेत्रफल की रिपोर्ट से भी कपास के लिए बाजार का सेंटीमेंट कमजोर रह सकता है। कपास पर बेहतर रिटर्न के कारण मूंगफली का क्षेत्रफल कपास की ओर बढ़ रहा है। गुजरात में सुचारू बुआई के कारण पूरे भारत में कपास का उत्पाादन क्षेत्र साल-दर-साल 5% बढ़कर 20.08 लाख हेक्टेयर हो गया। मानसून के आगे बढ़ने के साथ ही खरीफ की बुआई में अभी भी तेजी नहीं आई है। एमसीएक्स पर कॉटन (जुलाई) की कीमतें 53000-59000 के दायरे में कारोबार करने की संभावना है। इसी तरह, कपास (अप्रैल-24) वायदा की कीमतों में 1430-1520 के दायरे में कारोबार करने की संभावना है।

स्थानीय बाजार में कमजोर मांग के कारण कॉटनसीडऑयलकेक(जुलाई) वायदा की कीमतों में गिरावट की संभावना है। मानसून की बारिश बढ़ने और हरे चारे की उपलब्धता बढ़ने से कीमतों पर दबाव पड़ने की संभावना है। इसके अलावा, अन्य ऑयलमील की कीमतों में कमजोरी से भी खरीदारों को कॉटनसीडऑयलकेक से दूर रखेगी। कॉटनसीडऑयलकेक की कीमतें 2450-2750 के दायरे में कारोबार कर सकती है।

आगामी सीजन में कमजोर उत्पादन की संभावना के कारण ग्वारसीड (जुलाई) वायदा की कीमतों में तेजी की संभावना है। मानसून की बारिश की धीमी प्रगति और ग्वारमील की बढ़ती मांग के कारण ग्वार के बाजार का सेंटीमेंट मजबूत रहने की संभावना है। ग्वारगम की निर्यात मांग में भी सुधार हुआ है जिससे कीमतों में मजबूती आएगी। मुख्य रूप से मॉनसून की प्रगति पर ध्यान दिया जाएगा और आगे का रूझान तय करने के लिए बुवाई की प्रगति पर नजर रहेगी। ग्वारसीड की कीमतें निकट भविष्य में 5200-5600/5800 के दायरे में कारोबार कर सकती हैं, जबकि ग्वारगम की कीमतें 10000-11500 के दायरे में कारोबार कर सकती हैं।

स्थानीय बाजार में उभरती खरीदारी के साथ मेंथा ऑयल वायदा (जुलाई) की कीमतों में तेजी के रूझान के साथ साइडवेज कारोबार करने की संभावना है। मांग की चिंता के कारण कीमतें कई वर्षों के निचले स्तर पर आ गई हैं। भारत ने अप्रैल-23 के दौरान लगभग 708 टन मेन्थॉल का निर्यात किया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 877 हजार टन की तुलना में वर्ष-दर-वर्ष 19% की कमी है। लेकिन कीमतों में हालिया गिरावट के कारण खरीदारी की गतिविधियां बढ़ी हैं, जिससे कीमतों में तेजी आएगी। मेंथा तेल की कीमतें 880-940 के दायरे में कारोबार कर सकती है।

प्रमुख व्यापारिक केंद्रों पर सीमित उपलब्धता के मुकाबले खरीददारी बढ़ने के कारण अरंडी की कीमतों में तेजी रहने की संभावना है। लेकिन अरंडी के तेल के अधिक उत्पादन और सीमित निर्यात मांग के कारण बढ़त सीमित रह सकती है। वर्ष 2023 में कुल उत्पादन 18.82 लाख टन होने का अनुमान है जो साल-दर-साल 16% अधिक है। अरंडी (जुलाई) वायदा की कीमतों के 5200-5900 के दायरे में कारोबार करने की संभावना है।

सर्राफा

सोने की कीमतों में पिछले चार महीनों में सबसे अधिक साप्ताहिक गिरावट हुई और कीमतें 3 महीनों के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई। इस सप्ताह सोने की कीमतों में 2% से अधिक की गिरावट हुई है, जिसका मुख्य कारण आक्रामक मौद्रिक सख्ती और प्रमुख केंद्रीय बैंकों की ओर से कठोर संदेश को लेकर चिंताएं हैं। कांग्रेस में अपने भाषण के दौरान, फेड अध्यक्ष जेरोम पॉवेल ने इस बात पर जोर दिया कि एफओएमसी के सदस्यों में इस बात पर व्यापक सहमति हैं कि लगातार उच्च मुद्रास्फीति के कारण ब्याज दरों में वृद्धि जारी रखने की आवश्यकता है। इससे बाजार को उम्मीद है कि जुलाई में फेड द्वारा दर में 25 बेसिस प्वाइंट की बढ़ोतरी की जाएगी, जिससे सोने की कीमतों पर से दबाव कम होगा। नकारात्मक सेंटीमेंट को बढ़ाते हुए, बीओई ने दर में अपेक्षा से अधिक 50 बेसिस प्वाइंट की बढ़ोतरी लागू करके बाजारों को आश्चर्यचकित कर दिया, जबकि स्विस नेशनल बैंक ने दरों में 25 बेसिस प्वाइंट की वृद्धि की। इसके अलावा, अमेरिका में श्रम बाजार में नरमी के संकेत दिखे क्योंकि बेरोजगारी के दावे 20 महीने के उच्चतम स्तर पर बने हुए हैं। इससे अर्थव्यवस्था और रोजगार पर फेड की आक्रामक दर वृद्धि के प्रभाव के बारे में चिंता पैदा होती है। कुल मिलाकर, केंद्रीय बैंक की कठोर कार्रवाइयों और आगे कड़े उपायों की संभावना के कारण सोने के प्रति निवेशकों का सेंटीमेंट कमजोर हुआ है और इस सप्ताह इसकी कीमतों की गिरावट में योगदान दिया है। कॉमेक्स पर सोने की कीमतें 1900 डॉलर के स्तर के करीब कारोबार रही हैं, और इस स्तर के नीचे टूटने पर कीमतें 1860 डॉलर के स्तर तक पहुंच जाएगी। कीमतों को 1960 डॉलर पर मजबूत रेजिस्टेंस है। चांदी की कीमतें नरमी के रुझान के साथ कारोबार कर सकती है और कीमतें 20.880-23.00 डॉलर के दायरे में रह सकती है। इस सप्ताह में, एमसीएक्स पर सोने की कीमतों में बिकवाली का दबाव जारी रह सकता है और कीमतें 57000-59800 के दायरे में रह सकती है। चांदी की कीमतें 65400-70000 के दायरे में कारोबार कर सकती है।

एनर्जी कॉम्पलेक्स

तेल की कीमतों में लगभग 4% की साप्ताहिक गिरावट दर्ज की गई क्योंकि आगे की मौद्रिक सख्ती और प्रमुख केंद्रीय बैंकों के कठोर संदेश से वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा मांग के दृष्टिकोण पर असर पड़ा। बैंक ऑफ इंग्लैंड और नोर्गेस बैंक ने उम्मीद से अधिक ब्याज दरों में बढ़ोतरी लागू की, जबकि स्विस नेशनल बैंक ने अपनी नीति को सख्त करना जारी रखा। इसके अतिरिक्त, विकसित अर्थव्यवस्थाओं के पीएमआई आंकड़ों ने मैनुफैक्चरिंग और सेवा गतिविधियों में महत्वपूर्ण मंदी का संकेत दिया, जिससे बाजार के सेंटीमेंट पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा। इसके अलावा, नवीनतम ईआईए आंकड़ों से पता चला है कि पिछले सप्ताह अमेरिकी कच्चे तेल के भंडार में 3.8 मिलियन बैरल की अप्रत्याशित गिरावट आई है, जो 0.33 मिलियन बैरल की वृद्धि की उम्मीदों के विपरीत है। ओक्लाहोमा में कुशिंग डिलीवरी हब में स्टॉक भी 98,000 बैरल कम हो गया। प्रमुख केंद्रीय बैंकों द्वारा दरों में बढ़ोतरी और फेडरल रिजर्व के सख्त रुख के बाद संभावित मंदी की चिंताएं फिर से उभर आई हैं। उच्च ब्याज दरें व्यवसायों और उपभोक्ताओं के लिए उधार लेने की लागत बढ़ाती हैं, जिससे संभावित रूप से आर्थिक विकास में नरमी आती है और तेल की मांग में कमी आती है। प्रमुख केंद्रीय बैंकों द्वारा दरों में बढ़ोतरी की आशंका ने वर्ष के शेष समय के लिए ईंधन की मांग के आउटलुक को कमजोर कर दिया दी है। इस कच्चे तेल की कीमतों में बिकवाली का दबाव बना रह सकता है, जहां इसे 5390 के करीब समर्थन मिल सकता है और 5900 के करीब रेजिस्टेंस रेजिस्टेंस का सामना करना पड़ सकता है। गर्म मौसम जारी रहने के कारण नेचुरल गैस की कीमतों में तेजी दर्ज की गई। टेक्सास में चिलचिलाती धूप अगले सप्ताह तक जारी रहने का अनुमान है, जिसके दक्षिण-पश्चिम तक जारी बढ़ने की संभावना है, जिससे नेचुरल गैस की कीमतों को अधिक समर्थन मिलेगा। इस सप्ताह में कीमतें 180-220 के दायरे में कारोबार कर सकती हैं, जहां सपोर्ट के पास खरीदारी की सलाह है।

बेस मेटल

बेस मेटल की कीमतें एक दायरे में कारोबार कर सकती हैं। लेकिन निवेशकों के लिए गिरावट पर खरीदारी करने का कुछ अवसर हैं। शीर्ष उपभोक्ता चीन से अधिक स्टीमुलस की खबरों की कमी से कीमतों पर असर पड़ सकता है। बाजार को अब भी उम्मीद है कि खराब आंकड़ों के बाद चीन अपनी आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए और उपाय कर सकता है। चीन ने हाल ही में इलेक्ट्रिक वाहनों और ग्रीन कारों के लिए चार वर्षों में 72 बिलियन डॉलर के टैक्स से छूट के पैकेज की घोषणा की है, जिससे धातुओं को कुछ समर्थन मिला। लेकिन यह अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए पर्याप्त नहीं है, क्योंकि यह कोई समाधान नहीं है। तांबे की कीमतें 710-750 के दायरे में कारोबार कर सकती है। तांबे की आपूर्ति संबंधी चिंताएं भी बढ़ रही हैं क्योंकि चिली और पेरू जैसे प्रमुख उत्पादक देशों के खदानों में व्यवधान जारी है। इन व्यवधानों के कारण वैश्विक तांबे के उत्पादन में गिरावट आई है, जिससे कीमतों को समर्थन मिल रहा है। एक्सचेंज के आंकड़ों से पता चलता है कि एलएमई प्रणाली को छोड़ने के लिए बड़ी मात्रा में इन्वेंट्री निर्धारित किए जाने के बाद एलएमई अनुमोदित गोदामों में उपलब्ध तांबा अक्टूबर 2021 के बाद से सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है। जिंक की कीमतें 205-225 के दायरे में कारोबार कर सकती हैं। लेड की कीमतें 180-189 के दायरे में कारोबार कर सकती हैं। एल्युमीनियम की कीमतें 193-205 के दायरे में कारोबार कर सकती हैं। आईएआई के आंकड़ों से पता चलता है कि मई में वैश्विक स्तर पर प्राथमिक एल्युमीनियम का उत्पादन सालाना आधार पर 0.6% बढ़कर 5.851 मिलियन टन हो गया है। स्टील लॉन्ग वायदा (जुलाई) की कीमतें नरमी के रूझान के साथ 45400-47500 के दायरे में कारोबार कर सकती है। चीनी निर्माण क्षेत्र द्वारा कमजोर मांग के कारण वैश्विक स्तर पर इस्पात मांग में गिरावट होने की संभावना है। गोल्डमैन सैक्स के अनुसार, चीन में अतिरिक्त स्टील आपूर्ति का जोखिम अधिक से अधिक स्पष्ट होता जा रहा है और प्रॉपर्टी की बिक्री में धीमी रिकवरी से स्टील की मांग में 5 प्रतिशत की गिरावट आने की संभावना है।

देर से और धीमे मॉनसून से खरीफ फसलों के समक्ष संकट

भारत में अधिकांश फसलें मानसून पर अधिक निर्भर हैं। लेकिन आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि इस साल, देश के कई हिस्सों में सुस्त मानसून और चरम मौसम के कारण प्रमुख खरीफ फसलों की बुआई धीमी हो गई है, जिसकी भारत के खाद्य उत्पादन में आधी हिस्सेदारी होती है। 16 जून 2023 को जारी बुआई के आंकड़ों से पता चलता है कि जून का सूखा मौसम धीरे-धीरे किसानों के लिए एक गंभीर समस्या बनता जा रहा है।

एशिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की जीवनधारा, मानसून 1 से 13 जून के बीच सामान्य से 47% कम रहा है। यह 8 जून को केरल में एक सप्ताह की देरी से पहुंचा, जहां भारतीय मुख्य भूमि में यह सबसे पहले आता है, और अरब सागर में चक्रवात बिपरजॉय के कारण भारत के बाकी हिस्सों में आगे बढ़ने में इसकी गति धीमी हो गई है।

16 जून 2023 तक पूरे देश में खरीफ फसलों की बुआई

फसलें	बुआई क्षेत्र (लाख हेक्टेयर में)		पिछले वर्ष की समान अवधि
	2023	2022	की तुलना में % बदलाव
चावल	5.32	6.23	-15%
कुल दालें	1.8	4.22	-57%
अरहर	0.38	1.07	-64%
कुल्थी	0.03	0.03	0%
उड़द	0.33	0.49	-33%
मूंग	0.37	1.83	-80%
अन्य दाले	0.68	0.8	-15%
कुल मोटा अनाज	12.43	7.57	64%
ज्वार	0.21	0.34	-38%
बाजरा	6.27	0.39	1508%
रागी	0.24	0.24	0%
मक्का	5.25	6.06	-13%
छोटा ज्वार	0.45	0.53	-15%
कुल तिलहन	4.11	4.8	-14%
मूंगफली	3.51	3.2	10%
सूरजमुखी	0.2	0.58	-66%
सीसेम	0.14	0.3	-53%
नाइजरसीड	0	0	0%
कैस्टर	0.02	0.01	100%
सोयाबीन	0.21	0.68	-69%
अन्य तिलहन	0.03	0.03	0%
गन्ना		49.38	-100%
जूट एवं मेस्टा	5.74	6.51	-12%
कपास	20.08	19.12	5%
कुल	49.48	97.84	-49%

स्रोतः राष्ट्रीय कृषि सुरक्षा मिशन

16.06.2023 तक, कुल खरीफ फसलें 49.48 लाख हेक्टेयर में बोई गई हैं, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि के दौरान 97.84 लाख हेक्टेयर में बुआई हुई थी, इस प्रकार देश में पिछले वर्ष की तुलना में बुआई क्षेत्र में 49.43% की कमी दर्ज की गई है।

मानसून की प्रगति में देरी से मौजूदा फसल सीजन में धान और सोयाबीन की बुआई प्रभावित होने की संभावना है क्योंकि इन प्रमुख खरीफ फसलों के प्रमुख उत्पादक क्षेत्रों में जून में वर्षा की भारी कमी का सामना करना पड़ा है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, इस महीने महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल जैसे प्रमुख कृषि राज्यों में क्रमशः 88%, 94%, 77%, 66% और 31% की वर्षा की कमी हुई है।

जून और जुलाई महीने खरीफ फसल के लिए सबसे महत्वपूर्ण होते हैं, खासकर उन 61 प्रतिशत किसानों के लिए जो वर्षा आधारित खेती करते हैं। लेकिन तुलनात्मक रूप से सूखा जून किसानों के लिए परेशानी का सबब बनता जा रहा है। शुष्क जून का मतलब है कि जमीन में नमी का स्तर बुआई के लिए अनुकूल नहीं है, और देरी से खाद्य उत्पादन कम हो सकता है।

दक्षिण-पश्चिम मानसून, जो आम तौर पर जून-सितंबर तक रहती है, की शुरुआत इस साल देरी से हुई और 8 जून को हुई। मानसून आम तौर पर 1 जून तक केरल तट पर पहुंचता है और 15 जून तक पूरे देश को कवर कर लेता है। इसके अलावा, चक्रवात बिपोरजॉय, अरब सागर में अत्यंत भीषण चक्रवाती तूफान के कारण भी मानसून की प्रगति प्रभावित होने की संभावना है और प्रायद्वीपीय भारत और देश के कई हिस्सों में वर्षा कमजोर होने की संभावना है।

सरकार ने 2023-24 के लिए खाद्यान्न उत्पादन का लक्ष्य 332 मीट्रिक टन निर्धारित किया है। लेकिन चावल की बुआई 14.6% कम हुई है, जबकि दालों का रकबा 57% कम है। तिलहन का रकबा पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 14.4% कम है।

खाद्य मुद्रास्फीति को बढ़ने से रोकने के लिए तिलहनों, जिनकी कीमतें पिछले साल अधिकतम स्तर पर थीं, और दालों का अधिक उत्पादन आवश्यक है। अल नीनो मौसम पैटर्न के आगमन के कारण मानसून में वर्षा कम हो जाती है, जिससे अधिकांश भारतीयों के लिए प्रोटीन का एक सामान्य स्रोत, दालों की ऊंची कीमतों पर चिंता बढ़ जाती है।

आप इस रिपोर्ट को हमारी वेबसाइट पर भी देख सकते हैं- www.smctradeonline.com

Corporate Office:
11/6B, Shanti Chamber,
Pusa Road, New Delhi - 110005
Tel: +91-11-30111000
www.smcindiaonline.com

Mumbai Office:
Lotus Corporate Park, A Wing 401 / 402 , 4th Floor ,
Graham Firth Steel Compound, Off Western Express Highway, Jay Coach Signal, Goreagon (East) Mumbai - 400063
Tel: 91-22-67341600, Fax: 91-22-67341697

Kolkata Office:
18, Rabindra Sarani, Poddar Court, Gate No-4,
5th Floor, Kolkata-700001
Tel.: 033 6612 7000/033 4058 7000
Fax: 033 6612 7004/033 4058 7004

प्रतिभूति बाजार में निवेश बाजार के जोखिमों के अधीन है। निवेश करने से पहले सभी संबंधित दस्तावेजों को ध्यान से पढ़ लें। सेबी द्वारा दिया गया पंजीकरण और एनआईएसएम से प्रमाणन किसी भी तरह से मध्यस्थ के प्रदर्शन की गारंटी नहीं देता है या निवेशकों को रिटर्न का कोई आश्वासन नहीं देता है। उद्धृत प्रतिभूतियां केवल उदाहरण के लिए हैं और अनुशंसात्मक नहीं हैं। एसएमसी सेबी द्वारा पंजीकृत एक अनुसंधान विश्लेषक है जिसका पंजीकरण संख्या आईएनएच 100001849 है। सीआईएन: L74899DL1994PLC063609 है।

एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड (जिसे एसएमसी कहा जाता है) का नियमन भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड द्वारा किया जाता है और इसे ब्रोकिंग व्यवसाय, डिपॉजिटरी सेवायें और संबंधित सेवायें करने का लाइसेंस प्राप्त है। एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, एमएसईआई(मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड) का रजिस्टर्ड सदस्य है और एम/एस एसएमसी कॉमट्रेड नेशनल कमोडिटी एवं डेरिवेटिव्स एक्सचेंज लिमिटेड और मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया और भारत के अन्य कमोडिटी एक्सचेंजों का रजिस्टर्ड सदस्य है। इसकी सहयोगी एमसीएक्स स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड की सदस्य हैं। एसएमसी सीडीएसएल(CDSL) और एनएसडीएल(NSDL)के साथ डिपॉजिटरी भागीदार के रूप में भी रजिस्टर्ड है । एसएमसी के अन्य एसोसिएट सेबी और भारतीय रिजर्व बैंक के साथ मर्चेंट बैंकर, पोर्टफोलियो मैनेजर के रूप में रजिस्टर्ड है। यह म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में एएमएफआई(AMFI) में भी रजिस्टर्ड है ।

एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड सेबी (रिसर्च एनॉलिस्ट)रेगुलेशन 2014 के तहत रिसर्च एनॉलिस्ट के लिए रजिस्ट्रेशन संख्या INH100001849 के साथ रजिस्टर्ड संस्था है। एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड या इसके सहयोगियों को सेबी द्वारा अन्य किसी रेगुलेटरी एथॉरिटी द्वारा सिक्योरिटीज मार्केट/कमोडिटी मार्केट में कारोबार के लिए प्रतिबंधित/निलंबित नही किया गया है। रिपोर्ट में रिसर्च एनॉलिस्टों द्वारा व्यक्त की गई राय केवल सार्वजनिक रूप से प्राप्त सूचनाओं/इंटरनेट आंकड़ों/अन्य विश्वसनीय स्रोतों, जिन्हें सत्य माना जाना जाता है, पर आधारित हैं। एसएमसी रिपोर्ट में व्यक्त राय या सामग्री की शुद्धता को लेकर कोई आश्वासन नही देता है और निवेशकों को सलाह दी जाती है कि निवेश के लिए कोई भी निर्णय करने से पहले बाजार की परिस्थितियों/जोखिमों का स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन करें । रिसर्च एनॉलिस्ट, जिन्होने इस रिपोर्ट को तैयार किया है, एतद् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि इस रिपोर्ट में विशेष कमोडिटी के संदर्भ में व्यक्त किया गया विचार/राय उनके निजी स्वतंत्र विचार/राय है।

डिसक्लेमर: यह रिसर्च रिपोर्ट अधिकृत प्राप्तकर्त्ता की व्यक्तिगत सूचना के लिए है और इसका निवेशक के किसी निवेश, विधिक एवं कर संबंधी परामर्श से संबंध नही हैं । यह केवल प्राइवेट सर्कुलेशन एवं उपयोग के लिए है। यह रिपोर्ट विश्वस्त सूचनाओं पर आधारित है लेकिन यह पूरी तरह सही और पूर्ण है, ऐसा जरूरी नही और इस पर पूरी तरह भरोसा नही किया जाना चाहिए । रिपोर्ट के कन्टेन्ट के आधार पर कोई कार्य नही किया जा सकता है । इस रिपोर्ट को एसएमसी से लिखित आज्ञा के बिना किसी भी रूप में नकल एवं किसी भी अन्य व्यक्ति को पुन: वितरण नही किया जाना चाहिए। इस सामग्री का कन्टेन्ट सामान्य है और यह न तो पूरी तरह से व्यापक है और न विस्तृत है। इस रिपोर्ट के आधार पर उठाये गये किसी कदम से होने वाली क्षति या नुकसान के लिए न तो एसएमसी और न इसका कोई संबंधी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी को उत्तरदायी ठहराया जाना चाहिए । यह कोई व्यक्तिगत अनुमोदन नही करता या किसी खास निवेश उद्देश्य, वितीय स्थिति या किसी व्यक्तिगत ग्राहक या कॉरपोरेट या सत्ता की जरूरतों को लेकर नही चलता है । सभी निवेश जोखिमपूर्ण होते है एवं पिछला प्रदर्शन भविष्य के किसी प्रदर्शन की गारन्टी नही देता है। निवेश की वैल्यू और उससे प्राप्त आमदनी एक निश्चित समय में उपलब्ध कुछ बड़े एवं सूक्ष्म कारकों के बदलाव पर निर्भर कर सकती है। निवेश का निर्णय लेते समय किसी भी व्यक्ति को अपने विवेक का इस्तेमाल करना चाहिए ।

कृपया ध्यान रखें कि हम या हमारा कोई अधिकारी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी, जो भी इस रिपोर्ट को बनाने या भेजने में शामिल है उसकी (अ)समय-समय पर किसी भी कमोडिटीज में, जिनका इस रिपोर्ट में जिक्र किया गया है, खरीद या बिक्री, कोई भी पोजिशन हो सकती है और वह इस कमोडिटीज को खरीद या बिक्री कर सकता है या (ब) साथ ही साथ वह इन कमोडिटीज के किसी भी प्रकार के सौदों में और ब्रोकरेज या अन्य प्रकार के प्रतिकर में अथवा बाजार निर्माण में शामिल हो सकता है, (स) इस रिपोर्ट में दिए गये सुझावों और संबंधित सूचनाओं एवं विचारों के संदर्भ में इनका अपना कोई भी निहित स्वार्थ या विवाद हो सकता है । सभी विवादों का निपटारा अंतिम रूप से दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीन होगा ।